आज़ादी का अमृत महोत्सव

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

राजभाषा प्रकोष्ठ

अपील

हिंदी हमारे देश की राजभाषा होने के साथ-साथ राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा भी है। इसके व्यापक स्वरूप को देखते हुए ही हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को इसे राजभाषा का दर्जा दिया और तब से यह केन्द्र सरकार के कार्यालयों में काम-काज की भाषा के रूप में उपयोग में लाई जा रही है। साथ ही, सम्पूर्ण देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी ने हिंदी की सामर्थ्य को बहुत पहले ही पहचान लिया था। कचहरियों में नागरी लिपि के प्रयोग हेतु उनका उल्लेखनीय प्रयास और विश्वविद्यालय में हिंदी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ) की स्थापना इसके प्रमाण हैं। राष्ट्रभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था कि अंग्रेजी माध्यम भारतीय शिक्षा में सबसे बड़ा विघ्न है। सभ्य संसार के किसी भी जन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।

तकनीकी विकास के फलस्वरूप भी हिंदी का दायरा बढ़ा है और सोशल मीडिया में भी इसका भरपूर उपयोग हो रहा है। यूनिकोड एवं अन्य ई-उपकरणों (गूगल वाइस टाइपिंग, हिंदी फांट कनवर्टर, मशीन अनुवाद- मंत्रा एवं कंठस्थ, ई-महाशब्दकोश आदि) के माध्यम से कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अत्यंत सरल हो गया है।

यह सर्वविदित है कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। तथापि, इसे और अधिक गति देने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उल्लिखित 12 प्र (प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, प्राइज़ (पुरस्कार), प्रशिक्षण, प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, प्रोन्नति, प्रतिबद्धता और प्रयास) के सूत्र को अपनाना आवश्यक प्रतीत होता है।

हमारे विश्वविद्यालय के कार्यालयीन काम-काज में हिंदी का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। तथापि, संघ की राजभाषा नीति के समग्र क्रियान्वयन के लिए हमें वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करना पड़ेगा ताकि अन्य संस्थाओं के लिए हम आदर्श स्थापित कर सकें तथा अपने सांविधिक दायित्वों का समुचित निर्वहन कर सकें।

हिंदी-दिवस के अवसर पर आप सभी से मेरी अपील है कि आप सब स्वयं अपना काम-काज हिंदी में करें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें।

विश्वविद्यालय के समस्त सदस्यों को हिंदी दिवस की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द !

वाराणसी, 14.09.2021

(विजय कुमार शुक्ला)
कुलपति